

27/6/18

ज्ञान यह धर्मोपदेशी इन्द्रियलोक इन्द्रालोक
कोय सिद्ध काव्यपद्य के प्रशस्त कार-कार
जापान निर्यात प्रो। कारी को उनके परिनिर्वाण प्रशस्त
बला: यावा वपु। को उनके परिनिर्वाण की इन्द्रालोक
क इन्द्रालोक के रक्षा विव विव। जाता है। निर्यात
केराल सुम्मा लोक नभस से नकली जापान अथ
नभसाल याविल अथ। है।